(Printed Pages 4)

UF-10917

B.A.(Private) (Part-I) Term End Examination, 2023-24

Paper : I

हिन्दी साहित्य

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 75*

नोट : सभी खण्डों से उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

इकाई-I

1. निम्नलिखित पंक्तियों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए। 8x3=24

(क) बासुरि सुख न रैनि सुख
न सुधि सुविनै माहि।
कबीर बिहुरिया रामसू, न सुख धूप न छॉह।।
मूवा पिछे जिनि मिलै। कहै कबीरा राम।
पाथर घाटा लौह सब, तब पारस कोणे काम।।

अथवा

चढ़ा आषाढ़ गगन घन गाजा। साजा बिरह दुन्द दल बाजा।
धूम, श्याम, धौरे धन धाये। सेत धजा बग पॉति दिखाये।
खड़क बीजू चमकै चहुँ ओरा। बुंद-बांद बरसहिं घनघोरा।।

ओनई घटा आई चहुँ फेरी। कंत उबारू मदन हौ घेरी।

(ख) आयो घोष बडो व्यापारी।
लादि खेप गुन ज्ञान जोग की ब्रज में आय उतारी।।
फाटक देकर हाटक मांगत, मौरे निपट सुधारी
धुर ही तें खोटो लायों है लिये फिरत सर भारी।
इनके कहे कौन डहकावै ऐसो कौन अजानी?
अपनों दूध छाड़ि को पीवे खार कूप को पानी।।

अथवा

प्रबिस नगर कीजै सब काजा। हृदय राखि कौशलपुर राजा।
गरज सुधा रिपु करै मिताई। गोपद सिंधु अनल सितलाई।।
गरूअ सुमेरू रेनुसम ताही। राम कृपा करि चितवहिं जा ही।।

(ग) भोर ते साँझ जौ कानन ओर निहारति बावरी नैकु न हारति।
साँझ ते भोर लौ तारनि ताकिबो तारनि सौ इकतार न टारति।
जौ कहुँ भावतौं दीठि परै घनुआनंद ऑसुनि औसर गारति।
मोहन सोहन जोहन की सगियै रहै आखिन के उर आरति।

अथवा

हीन भये जल मीन अधीन कहा कछु मो अकुलानि समानै।

नीर सनेही को लाय कलंक निरास है कायर त्यागत प्रानै।।
प्रीति की रीति सु क्यों समझै जड़, मीत के पानि परै को प्रमानै।।
या मन की जु दसा घनआनंद जीव की जीवनि जान ही जानै।

इकाई-II

2. (क) कबीर की प्रांसगिकता पर विचार कीजिए। 8

अथवा

जायसी ने लौकिक प्रेम के माध्यम से अलौकिक प्रेम की ठ्यंजना की है, सोदाहरण समझाइये।

इकाई-III

3. सूर के काव्य सौष्ठव पर प्रकाश डालिए। 8

अथवा

रामभक्ति काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालते हुए तुलसी की भाषाशैली को समझाइये।

इकाई-IV

4. घनानंद के काव्य का मूल प्रेम है उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये। 8

अथवा

विद्यापति भक्त या श्रृंगारी कवि है उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

इकाई-V

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों को हल कीजिए। 4x3=12

(i) रहीम के दोहों की विशेषतायें।

(ii) विद्यापति की काव्य भाषा

(iii) रसखान की भक्ति भावना

(iv) भोणज मिश्र की रचनाओ पर प्रकाश डालिए।

(v) रीति काल का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

6. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में से किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1x15=15

(i) सूरसागर किसकी रचना है।

(ii) ज्ञानमार्गी शाखा के प्रमुख कवि कौन हैं?

(iii) स्वच्छंद काव्य धारा के प्रमुख कवियों के नाम लिखिए।

(iv) कबीर के गुरू कौन थे।

(v) पद्मावत किस भाषा मे रचित है।

(vi) तुलसीदास जी की पत्नि का क्या नाम था।

(vii) घनानंद किस बादशाह के दरबार के मुंशी थे।

(viii) हिन्दी साहित्य का स्वर्णगुण किस काल खण्ड को माना जाता है।

(ix) रहीम का पूरा नाम क्या था।

(x) सूर किस रस के सम्राट माने जाते है।

(xi) पूर्व मध्य काल का दूसरा नाम क्या है।

(xii) सूरदास ने किस भाषा में रचना की?

(xiii) कबीर का देहावसान कहाँ हुआ।

(xiv) जायसी का पूरा नाम क्या था?

(xv) पुष्टिमार्ग का जहाज किस कवि को कहा जाता हैं।

(xvi) प्रेमवाटिका किसकी रचना हैं।

(xvii) (मैथिल कोकिला) किस कवि का उपनाम है।